भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड–XXVIII अंक–22 30 नवम्बर 2023

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः। ये भजन्ति तुमां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम्।

मैं सब भूतों में समभाव से व्यापक हूँ, न कोई मेरा अप्रिय है और न प्रिय; परन्तु जो भक्त मुझको प्रेम से भजते हैं, वे मुझमें हैं और मैं भी उनमें प्रत्यक्ष प्रकट हूँ। **श्रीमद्भगवद्गीता 9/29**

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/216532 दिनांक 22.11.2023 के अनुसार **प्रो. संदीप कुमार गुप्ता** ने 01.11.2023 से संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। प्रो. संदीप कुमार गुप्ता को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2023/216526 दिनांक 22.11.2023 के अनुसार **डॉ. (सुश्री) रैना राज** ने 16.11.2023 से संस्थान के भारती दूरसंचार एवं प्रौद्योगिकी स्कूल में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय एवं स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 नवम्बर, 2023 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

प्रो. राजेन्द्र कुमार शर्मा, प्रोफेसर, गणित विभाग

प्रो. राजेन्द्र कुमार शर्मा ने 10 अक्टूबर, 2002 को संस्थान के गणित विभाग में सह प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। आपको 26 अक्टूबर, 2006 को प्रोफेसर के पद पर चयनित किया गया।

प्रो. शर्मा एक पीएच.डी. छात्र के रूप में आईआईटी दिल्ली में शामिल हुए। आपने 1984 में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आप लगभग 3 वर्षों तक फ्रांस और जर्मनी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो रहे। 35 वर्षों की अपनी लंबी सेवा के दौरान (आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी दिल्ली में) आप व्याख्याता, सहायक प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर, प्रोफेसर और एचएजी स्केल में प्रोफेसर, विभागीय अनुसंधान समिति के अध्यक्ष और गणित विभाग के अध्यक्ष रहे। पांच वर्षों से अभी तक के लिए आपको अनुसंधान में कंसेंसिस ब्लॉकचेन चेयर (कंसेंसिस एजी, स्विट्जरलैंड द्वारा स्थापित) प्रदान किया गया। आपने रीडर (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रोफेसर (NERIST, ईटा नगर), प्रोफेसर (NSIT, अब NSUT, दिल्ली), (प्रोफेसर (आईआईटी खड़गपुर) और महाराष्ट्र में एक राज्य विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में अपनी सेवाए प्रदान की। हालाँकि, शिक्षा के प्रति अपने रुझान के कारण, आपने हमेशा मूल संस्थान में रहना चुना।

आप डीआरडीओ, डीएसटी जैसे शैक्षणिक संगठनों की विभिन्न समितियों में रहे, आप आईआईआईटी, लखनऊ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, अकादमिक परिषद (जेएनयू) के सदस्य, आईआईटी मंडी के सीनेट में सदस्य, जम्मू, राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय, SMVDU कटरा, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय आदि के अध्ययन बोर्ड के सदस्य रहे है। आप अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी, इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी, इलाहाबाद मैथमेटिकल सोसाइटी, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत, क्रिप्टोग्राफिक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया सहित विभिन्न गणितीय सोसायटी के आजीवन सदस्य हैं। आईआईटी रोपड़ की शुरुआत आईआईटी दिल्ली परिसर से हुई। आईआईटी दिल्ली में अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आपने गणित शिक्षण और नए संस्थान के प्रशासन की सहायता में बहुत गहरी रुचि ली। आप विभिन्न चयन समितियों, समीक्षा समितियों, पीएसी आदि में रहे हैं।

आपने अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 2011 और 2012 में आईआईटी दिल्ली परिसर में एक डीएसटी–इंस्पायर विज्ञान शिविर का आयोजन किया था, जिसमें भारत भर के सैकड़ों हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। आपने 2 पुस्तकें लिखी हैं, 36 पीएच.डी. थिसिस का मार्गदर्शन किया और अन्य 10 अभी भी उनके साथ काम कर रहे हैं। आपने 80 से अधिक एम.टेक परियोजनाओं का मार्गदर्शन किया है। आपने सम्मेलनों में पेपर के अलावा, अत्यधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 175 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। आपने

स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ कांग्रेस (आईसीएम) सहित कई सम्मेलनों में भाग लिया है। आपने बहुत सी यात्राएं की और कई स्थानों पर आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। कई विद्यार्थी उनके साथ प्रायोजित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

शिक्षाविद होने के अलावा, आप विभिन्न आउटरीच गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं।

विन्रम स्वभाव के प्रो. राजेन्द्र कुमार शर्मा अपने संकाय सहकर्मियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय संकाय सदस्य रहे है।

श्रीमती विनेश यादव (26311), सहायक कुलसचिव, स्थापना अनुभाग–2

श्रीमती विनेश यादव ने 03 नवम्बर, 1993 को संस्थान में सहायक (लेखा) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में मैप किया गया। 01 दिसम्बर, 2005 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 03 नवम्बर, 2013 को एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत आपको उन्नयन दिया गया तथा 22 दिसम्बर, 2022 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी रूप में पुनः पदनामित किया गया। 22 फरवरी, 2023 को विभागीय पदोन्नति समिति के अन्तर्गत आपको सहायक कुलसचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। सौम्य स्वभाव की श्रीमती विनेश यादव एक योग्य, मेहनती सहायक कुलसचिव रही हैं।

श्रीमती राज रानी (26312), सहायक कुलसचिव, स्थापना अनुभाग–1

श्रीमती राज रानी ने 04 नवम्बर, 1993 को संस्थान में सहायक (लेखा) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में मैप किया गया। 01 दिसम्बर, 2005 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 04 नवम्बर, 2013 को एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत आपको उन्नयन दिया गया तथा 22 दिसम्बर, 2022 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी रूप में पुनः पदनामित किया गया। 22 फरवरी, 2023 को विभागीय पदोन्नति समिति के अन्तर्गत आपको सहायक कुलसचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। सौम्य स्वभाव की श्रीमती राज रानी एक योग्य, कर्मठ एवं मेहनती सहायक कुलसचिव रही हैं।

श्री अनिल शर्मा (26035), तकनीकी अधिकारी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग

श्री अनिल शर्मा ने 01 अप्रैल, 1987 को संस्थान में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1995 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एस.जी.) के रूप में चयनित किया गया। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रयोगशाला अधीक्षक के रूप में मैप किया गया। 01 मई, 2007 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक (S-15) के रूप में पदोन्नत किया गया। 01 अप्रैल, 2017 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत उन्नयन दिया गया। 13 दिसम्बर, 2022 को विभागीय पदोन्नति समिति के अन्तर्गत आपको तकनीकी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया।

आपने 1984 में जोधपुर विश्वविद्यालय से एम.एससी. (भौतिकी इलैक्ट्रॉनिक्स) की उपाधि प्राप्त की तथा 1986 में इसी विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी ऐन्ड एप्लिकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्राप्त किया इसके बाद आपने भा.प्रौ.सं. दिल्ली के इटमैक केन्द्र में कार्यभार ग्रहण किया तथा 1998 में भा.प्रौ.सं. दिल्ली से कम्प्यूटर एप्लिकेशन में एम.टेक. सफलतापूर्वक पूर्ण किया। आपने प्रिवेंटिव मेंटेनेंस एंड रिलायबिलिटी एरिया में एक रिसर्च पेपर एवं एक कॉन्फ्रेंस पेपर प्रकाशित किया और एक कॉन्फ्रेंस में भागीदारी की। वर्ष 2003–2005 और 2010–2012, दो बार के आई.आई.टी. इम्पलाइज थ्रिफ्ट ऐन्ड क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड में मानद सचिव (Honorary Secretary) के पद पर रहते हुए, सोसाइटी में कम्प्यूटर डिजिटाइजेशॅन कार्य में अहम योगदान दिया वर्ष 2008–2009 में जूनियर स्टाफ क्लब के अतिरिक्त सचिव (Additional Secretary) का दायित्व निभाया। 2011–2013 में आई.आई.टी. कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष तथा 2013–2015 में महासचिव पद का दायित्व पूर्ण किया और स्टाफ और कैंपस रेजिडेंट के लिए कई कल्याणकारी कार्य किये। आप आई.आई.टी. दिल्ली स्टाफ स्पोर्ट टीम में बैडमिंटन और क्रिकेट टीम का सदस्य रहे और इन्टर आई.आई.टी. स्पोर्ट मीट में आई.आई.टी. दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। श्री अनिल शर्मा एक मिलनसार, योग्य, मेहनती एवं कर्मठ तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

श्रीमती बीना मंशारामानी, (25489), उप प्रशासनिक अधिकारी, कार्ट

श्रीमती बीना मंशारामानी ने 29 जनवरी, 1987 को संस्थान में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 फरवरी, 1995 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में चयनित किया गया। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 1 फरवरी, 2007 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 29 जनवरी, 2017 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। 22 दिसम्बर, 2022 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित किया गया। 22 फरवरी, 2023 को विभागीय पदोन्नति समिति के अन्तर्गत आपको उप प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। सौम्य स्वभाव के श्रीमती बीना मंशारामानी कर्मठ एवं कर्तव्यपरायण उप प्रशासनिक अधिकारी रही हैं।

श्री भवानी (70082), हैल्पर, निर्माण संगठन

श्री भवानी ने 31 मार्च, 1989 को संस्थान में ग्रुप 'डी' हेल्पर के रूप में वेतनमान 750-940/800–1150/–रु. में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 अप्रैल, 2004 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको वेतनमान 3050-4590/–रु. में पदोन्नत किया गया। 01 अप्रैल, 2009 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 2000/–रु. में उन्नयन दिया गया। 01 अप्रैल, 2019 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 2400/–रु. में वित्तीय उन्नयन दिया गया। श्री भवानी एक योग्य एवं कर्मठ हैल्पर हैं।

श्री प्रेम चन्द (50365), सीवरमैन, निर्माण संगठन

श्री प्रेम चन्द ने 02 जनवरी, 1987 को संस्थान में ग्रुप 'डी' क्लीनर के रूप में वेतनमान 800-1150/–रु. में कार्यभार ग्रहण किया था। 02 जनवरी, 1995 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 950-1400/–रु. के वेतनमान में पदोन्नत किया गया। 01 फरवरी, 2005 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको 4000-6000/–रु. में उन्नयन दिया गया। 01 फरवरी, 2015 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 2800/–रु. में उन्नयन दिया गया। श्री प्रेम चन्द एक योग्य एवं कर्मठ सीवरमैन रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय एवं स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके एवं उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

पुनर्नियुक्ति

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/205417 दिनांक 01.11.2023 के अनुसार **प्रो. राजेन्द्र कुमार शर्मा** (गणित विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत तक अर्थात 30.06.2024 तक के लिए गणित विभाग में प्रोफेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/212055 दिनांक 17.11.2023 के अनुसार **डॉ. अखिलेश सिंह,** पोस्ट डॉक्टरल फेलो (अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान स्कूल, SIRe) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 31.10.2023 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. अखिलेश सिंह को 31.10.2023 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश/General Orders
2 संकल्प /Resolution
3 परिपत्र/Circulars
4 नियम/Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन/Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ/Press Release/Communiques
7 संविदाएँ/Contracts
8 करार/Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ/Licences
10 निविदा प्रारुप/Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र/Permits
12 निविदा सूचनाएँ/Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ/Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले/प्रतिवेदन तथा कागज पत्र/Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क– बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख– गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग– खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिया जाना अनिवार्य है। अतः सभी विभाग/केन्द्र/अनुभाग/प्रकोष्ठ/एकक आदि के अध्यक्षों से अनुरोध है कि हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें।

प्रशासनिक अधिकारियों के दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली संक्षिप्त आदेशात्मक टिप्पणियाँ
(Brief important notings being used by Administrative Officers in their daily routine official work)

अंग्रेजी	हिन्दी
Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए
All concerned should note carefully.	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Application is rejected.	प्रार्थना-पत्र अस्वीकृत किया जाता है।
Approved.	अनुमोदित।
Approved as a very special case. This should not, however be Quoted as a precedent.	एक विशेष मामला मानते हुए अनुमोदित किया जाता है किन्तु आगे उदाहरण के रूप में इसका उल्लेख न किया जाए।
Wait further report.	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Await reply.	उत्तर की प्रतीक्षा करें।
Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
Draft is concurred in.	प्रारूप पर सहमति दी जा रही है।
Draft may not be issued.	अब प्रारूप जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
Draft reply on the lines suggested above may be Put up.	उपरोक्त सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
Enquire into the case and report early.	मामले की जांच करें और शीघ्र रिपोर्ट दें।
Enquiry be completed and its report submitted at an Early date.	जांच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।
Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Fix a date for meeting.	बैठक के लिए तारीख नियत करें।
Give top priority to this work.	इस कार्य को परम अग्रता दें।
I agree.	मैं सहमत हूं।
I agree with 'A' above.	मैं उपर्युक्त 'क' से सहमत हूं।
I disagree.	मैं सहमत नहीं हूं।
I fully agree with office note.	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूं।
Inform accordingly.	तदनुसार सूचित किया जाए।

अंग्रेजी	हिन्दी
Issue as amended.	यथासंशोधित जारी किया जाए।
Issue reminder urgently.	तुरन्त अनुस्मारक भेजिए।
Issue today.	आज ही भेज दिया जाए।
Issue warning.	चेतावनी दी जाए।
Kindly see it for approval.	कृपया इसे अनुमोदन के लिए देखें।
May file.	फाईल कर दिया जाए।
No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है।
Order may be issued.	आदेश जारी कर दिया जाए।
Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर लें।
Permitted.	अनुमति दी जाती है।
Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
Please discuss.	आकर चर्चा कर लें।
Please fleg the relevent papers.	कृपया संगत कागजातों पर पर्चियाँ लगा दें।
Please issue necessary notification.	कृपया आवश्यक अधिसूचना जारी करें।
Please make a special note of this Decision.	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट करे।
Please prepare a precis of the case.	कृपया मामले की संक्षेपिका तैयार करें।
Please put up a self contained note.	कृपया स्वतः पूर्ण टिप्पणी प्रस्तुत करे।
Please remind after one week.	कृपया एक सप्ताह बाद याद दिलाएं।
Please see the preceding notes.	कृपया पिछली टिप्पणियाँ देख लें।
Please speak.	कृपया बात करें।
Please take immediate action.	कृपया तुरंत कार्रवाई करें।
Put up through proper channel.	उचित माध्यम से प्रस्तुत करें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com